AHE-01

सत्रीय कार्य पुस्तिका
विज्ञान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.एससी.)
में
ऐच्छिक पाठ्यक्रम

मानव पर्यावरण
में
व्यवहार-मूलक पाठ्यक्रम

1 जनवरी, 2023 से 31 दिसंबर, 2023 तक वैध

सत्रांत परीक्षा के लिए फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य जमा करना अनिवार्य है।

कृपया ध्यान दें

- बी.एससी. कार्यक्रम में ऐच्छिक पाठ्यक्रम चार विषयों – रसायन विज्ञान, भौतिकी, गणित और जीव विज्ञान – में उपलब्ध हैं। ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के कुल क्रेडिट 56 या 64 **कम से कम दो** और **अधिकतम चार** विषयों, में से हो सकते हैं।

- आपके द्वारा चुने गए किसी भी विषय में आपको **कम से कम 8 क्रेडिट** के ऐच्छिक पाठ्यक्रम लेने होंगे। किसी भी विषय में आप **अधिक से अधिक 48 क्रेडिट** के ऐच्छिक पाठ्यक्रम ले सकते हैं।

- आप भौतिकी, रसायन तथा जीव विज्ञान के ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के जितने कुल क्रेडिट लेते हैं, उनमें से **कम से कम 25 प्रतिशत प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों** के होने चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आप इन तीन विषयों में कुल 64 क्रेडिट के पाठ्यक्रम लेते हैं, तो इनमें से कम से कम 16 क्रेडिट प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों के होने चाहिए।

- किसी पाठ्यक्रम में पंजीकरण कराए बिना आप उसकी सत्रांत परीक्षा में नहीं बैठ सकते। अगर आप ऐसा करते हैं तो उस पाठ्यक्रम का परीक्षाफल रोक दिया जाएगा और इसका दायित्व भी आप पर ही होगा।

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

(2023)

प्रिय विद्यार्थी,

हम उम्मीद करते हैं कि स्नातक उपाधि कार्यक्रम में अपनायी गयी मूल्यांकन पद्धति से आप भली-भांति परिचित हैं। आपके नामांकन के बाद हमने आपको ऐच्छिक पाठ्यक्रम की एक कार्यक्रम दर्शिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग हैं उसे कृपया दुबारा पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं निरन्तर मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको **एक सत्रीय कार्य** करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

इससे पहले कि आप किसी प्रश्न का उत्तर लिखें, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के आधार पर विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : ....

नाम : ....

पता : ....

....

पाठ्यक्रम संख्या : ....

पाठ्यक्रम शीर्षक : ....

सत्रीय कार्य संख्या : ....

अध्ययन केंद्र : .... दिनांक : ....

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गये प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2) अपना उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप काग़ज़ का इस्तेमाल करें, जो ज़्यादा पतला न हो।

3) प्रत्येक काग़ज़ पर बांयें, ऊपर और नीचे 4 से. मी. की जगह छोड़ें।

4) आपके उत्तर स्पष्ट होने चाहिए।

5) प्रश्नों के हल लिखते समय, स्पष्ट संकेतों द्वारा बताएं कि किस प्रश्न का कौनसा भाग हल किया जा रहा है।

6) सत्रीय कार्य 1 जनवरी, 2023 से लेकर 31 दिसम्बर, 2023 तक वैध हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका के मिलने के 12 हफ्तों के अन्दर ही सत्रीय कार्य पूरा करने की कोशिश कीजिए, ताकि सत्रीय कार्य का एक शिक्षण साधन की तरह उपयोग हो सके। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त होनें वाली उत्तर पुस्तिकाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

7) परीक्षा फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य करना अनिवार्य है।

अपनी उत्तर पुस्तिका की फ़ोटोकॉपी ज़रूर रखिए।

शुभकामनाओं के साथ।

सत्रीय कार्य

(अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : AHE-01
सत्रीय कार्य कोड : AHE-01/TMA/2023
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित शब्दों के बीच अंतर लिखिए : (10)
   क) प्रसरणशील आयतचित्र व स्थिर आयतचित्र
   ख) खाद्य श्रृंखला व खाद्य जाल
   ग) सवाना व टुंड्रा
   ध) औद्योगिक अपशिष्ट व घरेलू अपशिष्ट
   ङ) परजीविता व परभक्षण
2. क) पर्यावरण पर शहरीकरण के किन्हीं *चार* प्रभावों की सूची बनाइए और किसी *एक* प्रभाव का वर्णन कीजिए। (4)
   ख) सल्फर चक्र को चित्र द्वारा दर्शाइए। (6)
3. क) संचरणीय रोगों के संचरण के तरीकों का वर्णन कीजिए। (6)
   ख) समझाइए कि भारत के लिए विकासात्मक परियोजनाएं क्यों आवश्यक हैं। (4)
4. क) भारत के वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम के बारे में संक्षेप में लिखिए। (6)
   ख) सतत् विकास वाले समाज की किन्हीं *चार* अवधारणाओं का वर्णन कीजिए। (4)
5. क) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित किए गए *तीनों* वायु गुणवत्ता मानकों के बारे में लिखिए। (6)
   ख) भारतीय उपमहाद्वीप के देशों को पर्यावरण प्रबंध के लिए साथ मिलकर क्या कार्यनीति अपनानी चाहिए? (4)
6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : (20)
   क) भोपाल गैस त्रासदी
   ख) प्रत्येक गोलार्ध में "तीन कोशकीय परिसंचरण मॉडल"
   ग) जीव-जंतुओं पर वायु प्रदूषण का प्रभाव
   ध) भूमि–एक भौतिक संसाधन के रूप में
7. क) भरती गड्ढ़ों में विपत्तिजनक अवशेष के विसर्जन का वर्णन कीजिए। (5)
   ख) भारत वर्ष में विकासात्मक गतिविधियों के परिणामस्वरूप रोजगार के स्वरूप में किस प्रकार परिवर्तन होता है, उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से समझाइए। (5)
8. क) जैव कृषि किस प्रकार भूमि की गुणवत्ता को सुधार सकती है, वर्णन कीजिए। (6)
   ख) भारतवर्ष पूर्व पश्चिम, मध्य और दक्षिण–पूर्व एशिया के बीच सांस्कृतिक आधार का केन्द्र क्यों बना? (4)
9. क) लंबे समय तक मानव जाति के अस्तित्व को बनाए रखने हेतु नई विश्व अर्थव्यवस्था की अवधारणा का संक्षेप में उल्लेख कीजिए। (5)
   ख) भारतीय संसद द्वारा पारित पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के विषय में लिखिए। (5)